युद्ध मुर्दाबाद! शोषण मुर्दाबाद!

2025 की शुरुआत में विश्व युद्ध के खतरे मंडरा रहे हैं।

फिलिस्तीनी लोगों का नरसंहार, यूक्रेन में तीन साल तक खून-खराबा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में नरसंहार, चीन के खिलाफ युद्ध की तैयारी, इत्यादि, अलग-अलग संघर्ष प्रतीत होते हैं, लेकिन वास्तव में वे लगातार बढ़ते, एक ही युद्ध के पहलू हैं।

युद्ध की ओर यह कदम ऐतिहासिक रूप से निंदित व्यवस्था: पूंजीवादी व्यवस्था के अस्तित्व का परिणाम है। क्योंकि यह वास्तव में एक साम्राज्यवादी युद्ध है, धन की लूट और प्रभाव के क्षेत्रों पर नियंत्रण के लिए युद्ध, जैसा कि यूक्रेन की लूट के बंटवारे के लिए पुतिन के साथ ट्रम्प की बातचीत से पता चलता है।

2023 में, सैन्य बजट में अविश्वसनीय 2.443 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर डाले गए (जिनमें से 40% अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए था)। सैन्य खर्च में तेज वृद्धि के साथ, यह रिकॉर्ड 2025 में काफी हद तक टूट जाएगा, जबकि हमारे ग्रह पर दस में से एक इंसान वर्तमान में दो डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवित रहता है, और विकसित देशों सहित अरबों पुरुष और महिलाएं गरीबी में डूब रहे हैं।

युद्ध, इसके नरसंहार, अकाल और महामारी, और इसके कारण होने वाले पर्यावरणीय विनाश के साथ, मानव सभ्यता के लिए संभावित रूप से घातक झटका हो सकता है। हर जगह, यह अधिक से अधिक सत्तावादी शासन की स्थापना, युवाओं का सैन्यीकरण, यह मांग करना कि श्रमिक संगठन - विशेष रूप से ट्रेड यूनियन - "राष्ट्रीय एकता" और "युद्ध प्रयास" के नाम पर अपनी स्वतंत्रता का त्याग करें।

हम, 21 और 22 मार्च 2025 को फ्रांस में, वैश्विक साम्राज्यवादी युद्ध के खिलाफ एक आपातकालीन अंतरराष्ट्रीय बैठक में एकत्र हुए, जिसे 53 देशों में आयोजित किया गया. हम इस बर्बरता को अस्वीकार करते हैं, जिसका एकमात्र औचित्य साम्राज्यवादी वर्चस्व को बनाए रखना है।

दुनिया के लोग और श्रमिक युद्ध के खिलाफ हैं। वे जानते हैं कि इसका मतलब शोषण और पूंजीवादी सरकारों की नीति में वृद्धि है, जो आईएमएफ और यूरोपीय संघ के तत्वावधान में सार्वजनिक सेवाओं को लूटती और उनका निजीकरण करती हैं, कारखानों को नष्ट करती हैं, ग्रामीण क्षेत्रों को बंजर बनाती

हैं और संस्कृति को नष्ट करती हैं। कामकाजी महिलाएँ युद्ध के खिलाफ़ खड़ी हैं। वे युद्ध के लिए मनुष्यों को चारे के रूप में इस्तेमाल किये जाने के खिलाफ़ हैं।

हम अंधराष्ट्रवाद, नस्लवाद, स्थलांतरित लोगों पर हमलों और सभी प्रकार के भेदभाव को **अस्वीकार करते** हैं जिनका केवल एक ही लक्ष्य है: श्रमिकों को विभाजित करना और उन्हें शोषकों के खिलाफ़ एक साथ काम करने से रोकना!

हम यूक्रेन से लेकर फिलिस्तीन और कांगो के लोकतांत्रिक गणराज्य तक सभी कब्ज़ा करने वाली ताकतों को वापस लौटने का **आह्वान करते हैं**। हम सभी, लोगों और केवल लोगों के अपने भाग्य को निर्धारित करने के अधिकार का आह्वान करते हैं!

हम बुनियादी आवश्यकताओं: स्वास्थ्य सेवा, आवास, रोजगार, शिक्षा और संस्कृति के लिए सैन्य बजट को जब्त करने और पुनर्निर्देशित करने की आवश्यकता की **पुष्टि करते हैं।**

हम चीन के खिलाफ़ युद्ध की तैयारियों का **विरोध करते हैं**, जो केवल वॉल स्ट्रीट के हितों से प्रेरित हैं, इस बात का मतलब है कि चीनी सरकार के लिए थोड़ा सा भी राजनीतिक समर्थन नहीं है।

हम मजदूर आंदोलन की स्वतंत्रता की **मांग करते हैं** - युद्ध के समय की तरह शांति के समय में भी - और मजदूरों के नाम पर युद्ध-उत्तेजक सरकारों को ज़रा भी समर्थन देने से इनकार करते हैं।

हम ऐसे सांसदों की **निंदा करते** हैं जो मजदूरों की ओर से युद्ध ऋण को बढ़ावा देने या सैनिकों को भेजने के लिए बोलते हैं, चाहे वह संयुक्त राष्ट्र, नाटो, संयुक्त राष्ट्र या किसी अन्य संस्था के तत्वावधान में हो।

युद्ध और शोषण के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करके, हम पुष्टि करते हैं कि युद्ध को अस्वीकार करना सभी देशों के लोगों और मजदूर वर्ग के हित में है। आपसे हमारे साथ जुड़ने का आह्वान करते हुए, हम मजदूरों को शोषण और उत्पीड़न की जंजीरों से मुक्त करने की खुद क्षमता में अपना विश्वास व्यक्त करते हैं, ताकि एक ऐसी दुनिया का निर्माण किया जा सके जहाँ सभी के बीच सामंजस्यपूर्ण सहयोग हर दिन बढ़ रही बर्बरता की जगह ले लेगा।

सरकारों, जनता के विद्रोह से डरो! युद्ध मुर्दाबाद!

हम संकल्प लेते हैं - प्रत्येक देश में उचित प्रपत्रों का उपयोग करते हुए - 1 मई 2025 के अवसर पर पूरी दुनिया के श्रमिकों और युवाओं तक अपनी अपील को व्यापक रूप से पहुँचाएँगे।